

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड

(डि: नू न्युकल का रम्प्स्टेक)

U.P. POWER CORPORATION LIMITED

शक्ति भवन: 14-अशोक मार्ग, लखनऊ-226001

सं- 61 और एवं विनियम/पाकलि/८८-२ (२१)एनजीए/५

दिनांक: 08.11.08

कार्यालय ज्ञाप

विषय:- उ०५० पावर कारपोरेशन लि० जी सहयोगी विद्युत वितरण एवं पारेशन कम्पनियों में विभागीय कार्मिकों की अदर अभियन्ता (सामान्य बैठकों) के पद पर प्रोन्ति द्वारा नियुक्ति के सम्बन्ध में।

निच्छे कुछ दर्जे से उ०५० पावर कारपोरेशन लि० की सहयोगी विद्युत वितरण एवं पारेशन कम्पनियों में अवर अभियन्ताओं की भारी कमी अनुभव की जा रही है। इससे इन वितरण एवं पारेशन कम्पनियों के कार्यकलाप प्रभावित हो रहे हैं। अवर अभियन्ता के पद पर नियुक्ति हेतु संगत विनियमावली (उ०५० स्टेट इलेक्ट्रोसिटी बोर्ड जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रीकल एण्ड मैकेनिकल) रेगुलेशन, 1972) में सीधी भर्ती के अतिरिक्त उ०५० राज्य विद्युत परिवद परिचालकीय कर्मचारी वर्ग सेवा विनियमावली, 1995 से अवधिरत विभागीय कार्मिकों के ध्यन द्वारा नियुक्ति की व्यवस्था है। इन कार्मिकों ने विभिन्न श्रेणियों यथा- परियालन, निर्माण तथा अनुकूल आदि कार्यों के लिये नियुक्त कार्यक सम्मिलित है।

2. उ०५० स्टेट इलेक्ट्रोसिटी बोर्ड जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रीकल एण्ड मैकेनिकल) रेगुलेशन, 1972 के विनियम-17 के अन्तर्गत अदर अभियन्ता के पद पर ध्यन में उक्त प्रस्ताव-1 में इगत सभी प्रकार के कार्यों हेतु नियुक्त कार्मिकों के अहं होने से किये जाने वाले ध्यनों की निष्पक्षता एवं उपयोगिता तथा अवर अभियन्ता (सामान्य श्रेणी) से निम्नतर वेतनमान के तकनीकी पदों पर व्याप्त ठहराव का बिन्दु समय-समय पर प्रशास्त्रीकृत स्तर के साथ-साथ कार्मिकों एवं उनके संगठनों द्वारा उठाया जाता रहा।

3. उ०५० पावर कारपोरेशन लि० के निदेशक मण्डल की दिनांक 17.10.08 को हुई (मद सं० पिघहतर (३८)/०८) बैठक में इस सम्बूर्ध प्रकरण पर भव्यक विद्युतोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि अवर अभियन्ता (सामान्य श्रेणी) के पद पर नियुक्ति हेतु विभागीय कार्मिकों का ध्यन उ०५० राज्य विद्युत परिवद परिचालकीय कर्मचारी वर्ग सेवा विनियमावली, 1995 के अन्तर्गत श्रेणी-४ के पद तान्त्रीशियन ग्रेड-२ (विद्युत) / (पांचिक) / (लैट्रिन) एवं केबिल ज्याइटर के पदधारकों तक सीमित रखकर ध्यन इन पदधारकों की विभागीय वितरण एवं पारेशन कम्पनियों के अनुपातन में उक्त उ०५० स्टेट इलेक्ट्रोसिटी बोर्ड जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रीकल एण्ड मैकेनिकल) रेगुलेशन, 1972 के वेतनान विनियम-17 के रथान पर निम्न रखा जाता है-

“ 17 विनियम-५ (दी) के अन्तर्गत अदर अभियन्ता (सामान्य श्रेणी) के पद पर ध्यन परिचालकीय वर्गों के टेलीशियन ग्रेड-१। ३ लोडिंग ज्याइटर पदधारकों की सुयुक्त दरेष्टता सूची के आधार पर नियमावली द्वारा किया जाएगा।

.....द्वितीय/2

viniyam

परन्तु 100 अंको का हांग जिसका विभाजन सिफारिश है :-

क. हाइ स्कूल	20 अंक
ग्रु इण्टर या उच्चतर	10 अंक
ग आई०टी०आई० /	25 अंक
म. उच्च तकनीकी पोर्टल (आई०टी०आई० के रथान पर) / डिल्सोंपा	25 अंक
व. अनुभव (प्रत्येक वर्ष की संवाद के लिये 01 अंक)	35 अंक
२. साक्षात्कार	10 अंक

प्रश्ननंतर चयन हेतु टेक्नीशियन ग्रेड-1। व केविल ज्यांटर की संदर्भ वरिष्ठता सूची बनाये जाने के
लिए बनापोरेशन के अध्यक्ष को यह अधिकार होगा कि वे मार्गदर्शिका बना सके।

5. उ०प्र० न्टट इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रीकल एंड नैकेनेकल) शेगुलेशन, 1972 द्वारा अन्य
ग्राहितान यथादत् लागू रहेगे।

6. उपरोक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगे।

निदेशक मण्डल की आज्ञा से

प० सं- 81 और संविनियम/पाकालि/०८ - २ (21)एनजीए/०४ तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निन्म का सूचना एवं अद्वयक कागजावही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव (कर्जी), उ०प्र० शास्त्र, बापू भवन, लखनऊ।
2. अध्यक्ष, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, इकित भवन, लखनऊ के प्रमुख निजी सचिव।
3. प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० एटर कारपोरेशन लि०, उ०प्र० पावर ट्रान्सफ्रिशन कारपोरेशन लि०, लखनऊ के निजी सचिव।
4. समस्त निदेशकर्णण, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि० के निजी सचिव।
5. प्रबन्ध निदेशक, यूवाचिल/भृष्णाचाल/परिषमांचल दिल्ली वितरण निःम लि०, दरलसी, लखनऊ, मेरठ, आगरा/कैलनी, कानपुर।
6. अध्यक्ष चैम्पियन रोड अद्योग, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, लखनऊ।
7. अध्यक्ष चैम्पियन (जल दिल्ली), उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, लखनऊ।
8. अपर एच॒-प्रथम/द्वितीय/अर०० कार्यालयी उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, लखनऊ।
9. रामस्त मुख्य अनियन्ता, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०/उ०प्र० पावर ट्रान्सफ्रिशन कारपोरेशन लि०।
10. कम्पनी सचिव, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, लखनऊ को निदेशक नगृहल की दिनांक 13.10.08 जो हुई ईठक की मद सं० ०८ पिछलतर (38)/०८ के सम्बन्ध में उनकी टिक्की सं० ७२४/पाकालि/बैठक (75)/२००८ दिनांक 03.11.08 के सन्दर्भ में प्रेषित।
11. पत्रावलों सं० ७-विनियम/८८।

(जावेद अहमद)
अनुसंधिव